



The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Friday, July 17, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in



achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- **भारत और बेल्जियम** ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा और ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने के लिए रणनीतिक वार्ता शुरू की
- रेलवे ने तेज बुकिंग और बेहतर यात्री अनुभव के साथ **नई आईआरसीटीसी बीटा वेबसाइट** लॉन्च की
- **भारत और पोलैंड** ने नवाचार, प्रौद्योगिकी और सतत विनिर्माण में एमएसएमई सहयोग को मजबूत किया
- हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी **भारत की पहली हाइड्रोजन** से चलने वाली ट्रेन
- आईपीसी ने फार्मास्युटिकल गुणवत्ता और नवाचार में सुधार के लिए **यूपी फार्मा काउंसिल** के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
- **भारतीय महिला मुक्केबाजों** ने एशियाई अंडर-19 और अंडर-23 मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में तीन स्वर्ण पदक जीते
- मंत्रिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए **62,500 करोड़ रुपये की** मोबाइल फोन निर्माण योजना को मंजूरी दी
- **दिल्ली** ने कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 के लिए 'मयूर' शुभंकर लॉन्च किया
- **राष्ट्रीय पोर्टल पर साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों** में उत्तर प्रदेश भारत में सबसे ऊपर
- भारत ने जलवायु और सुरक्षा चिंताओं पर सिंधु **जल संधि** पर फिर से बातचीत की मांग की

भारत और बेल्जियम ने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए रणनीतिक वार्ता शुरू की



- भारत और बेल्जियम ने ब्रुसेल्स में पहली भारत-बेल्जियम रणनीतिक वार्ता शुरू की है, जो एक संरचित और व्यापक साझेदारी के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- उद्घाटन वार्ता की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और बेल्जियम के उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों, यूरोपीय मामलों और विकास सहयोग मंत्री, मैक्सिम प्रेवोट ने की। दोनों देश व्यापार और निवेश, हरित ऊर्जा परिवर्तन, नवाचार और प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी, रक्षा, सुरक्षा, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और लोगों से लोगों के आदान-प्रदान में सहयोग का विस्तार करने पर सहमत हुए।
- निरंतर राजनीतिक गति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक वार्ता को नियमित उच्च-स्तरीय जुड़ाव द्वारा समर्थित किया जाएगा।

भारत-बेल्जियम संबंधों के बारे में:

- राजनयिक संबंध 1947 में स्थापित किए गए थे।
- बेल्जियम यूरोपीय संघ में भारत के महत्वपूर्ण व्यापारिक भागीदारों में से एक है।
- बेल्जियम हीरे के व्यापार के लिए एक वैश्विक केंद्र है, जिसमें एंटवर्प दुनिया के सबसे बड़े हीरा व्यापार केंद्रों में से एक के रूप में कार्य करता है।

भारत और बेल्जियम निम्नलिखित में सहयोग करते हैं:

• व्यापार और निवेश।
• स्वच्छ ऊर्जा।
• फार्मास्यूटिकल्स।
• रसद और बंदरगाह।
• अंतरिक्ष और विज्ञान।
• रक्षा और सुरक्षा।
• उच्च शिक्षा और नवाचार।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार मंच:

- रणनीतिक वार्ता का शुभारंभ ब्रुसेल्स में फेडरेशन ऑफ बेल्जियम एंटरप्राइजेज (एफईबी) में आयोजित भारत-यूरोपीय संघ व्यापार मंच के साथ हुआ।
- यह मंच व्यापार, निवेश, नवाचार और औद्योगिक सहयोग में अवसरों का पता लगाने के लिए भारतीय, बेल्जियम और यूरोपीय व्यवसायों को एक साथ लाया।

बेल्जियम के बारे में:

• राजधानी: ब्रुसेल्स।
• मुद्रा: यूरो (€)।
• प्रधान मंत्री: बार्ट डी वेवर
• आधिकारिक भाषाएँ: डच, फ्रेंच और जर्मन।
• राजनीतिक प्रणाली: संघीय संसदीय संवैधानिक राजशाही।
• राज्य के प्रमुख: राजा फिलिप।

बेल्जियम कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों के मुख्यालय की मेजबानी करता है, जिनमें शामिल हैं:

- यूरोपीय संघ (ईयू) के संस्थान।
- उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) मुख्यालय।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- ब्रुसेल्स को अक्सर "यूरोप की राजधानी" के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह यूरोपीय आयोग, यूरोपीय संघ की परिषद और नाटो के मुख्यालय की मेजबानी करता है।
- एंटवर्प, बेल्जियम, हीरे की कटाई और व्यापार के लिए दुनिया के अग्रणी केंद्रों में से एक है, भारत सूरत के हीरा उद्योग के माध्यम से मजबूत वाणिज्यिक संबंध बनाए रखता है।
- बेल्जियम ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सीट के लिए भारत की आकांक्षा का लगातार समर्थन किया है।
- भारत और यूरोपीय संघ ने विदेश और सुरक्षा नीति पर एक रणनीतिक वार्ता और एक सुरक्षा और रक्षा साझेदारी के माध्यम से अपनी साझेदारी को बढ़ाया, जो हिंद-प्रशांत और वैश्विक शासन में बढ़ते सहयोग को दर्शाता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• संवाद: भारत-बेल्जियम रणनीतिक वार्ता।
• पहली बैठक: ब्रुसेल्स, बेल्जियम।
• भारतीय प्रतिनिधि: डॉ. एस. जयशंकर (विदेश मंत्री)।

- बेल्जियम प्रतिनिधि: मैक्सिम प्रेवोटा
- प्रमुख क्षेत्र: व्यापार, निवेश, हरित ऊर्जा, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों का आदान-प्रदान।
- सहायक मंच: भारत-यूरोपीय संघ व्यापार मंच।
- बेल्जियम की राजधानी: ब्रुसेल्स।

- मुद्रा: यूरो (€)।
- आधिकारिक भाषाएँ: डच, फ्रेंच, जर्मन।
- ब्रुसेल्स में प्रमुख वैश्विक संस्थान: यूरोपीय संघ और नाटो मुख्यालय।
- प्रमुख वाणिज्यिक केंद्र: एंटवर्प (डायमंड ट्रेड)।

रेल मंत्रालय ने आसान ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए नई आईआरसीटीसी बीटा वेबसाइट लॉन्च की



- रेल मंत्रालय ने ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग को तेज, सरल और अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट का एक नया बीटा संस्करण लॉन्च किया है।
- नया पोर्टल बिना किसी अनावश्यक कैंप्चा, पॉप-अप या फ्लैशिंग ग्राफिक्स के साथ एक स्वच्छ इंटरफ़ेस पेश करता है, साथ ही सभी वर्गों में बेहतर सीट उपलब्धता प्रदर्शन, एक तेज चेकआउट प्रक्रिया और बार-बार बुकिंग के लिए यात्री विवरण सहेजा जाता है।
- बीटा संस्करण सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध है, और यात्रियों को पूर्ण रोलआउट से पहले प्रतिक्रिया देने के लिए आमंत्रित किया गया है। मौजूदा आईआरसीटीसी वेबसाइट परीक्षण चरण के दौरान बीटा संस्करण के साथ काम करना जारी रखेगी।

नई बीटा वेबसाइट की मुख्य विशेषताएं:

- क्लीनर और व्याकुलता-मुक्त यूजर इंटरफ़ेस।
- अनावश्यक कैंप्चा, पॉप-अप और चमकते ग्राफिक्स को हटाना।
- सीट की उपलब्धता एक ही स्क्रीन पर सभी यात्रा वर्गों में दिखाई देती है।
- कम बुकिंग चरणों के साथ तेज चेकआउट।
- यात्री विवरण त्वरित दोहराने वाली बुकिंग के लिए सहेजा गया।
- भविष्य के संस्करणों को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक प्रतिक्रिया तंत्र।

IRCTC (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन) के बारे में:

- स्थापना: 27 सितंबर 1999।

- प्रशासनिक मंत्रालय: रेल मंत्रालय।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- चेयरमैन & एमडी: संजय कुमार जैन
- स्थिति: नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई)।

प्रमुख कार्य:

- रेलवे टिकट की ऑनलाइन बुकिंग।
- खानपान सेवाएं।
- पर्यटन पैकेज।
- रेल नीर बोटलबंद पीने का पानी।
- होटल, उड़ान और बस बुकिंग सेवाएं।
- महाराजा एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम पर्यटक ट्रेनों का संचालन।

भारतीय रेलवे के बारे में:

- स्थापना: 1853 (मुंबई और ठाणे के बीच पहली यात्री ट्रेन)।
- प्रशासनिक मंत्रालय: रेल मंत्रालय।
- रेल मंत्री: अश्विनी वैष्णव
- अध्यक्ष और CEO: सतीश कुमार
- एकल प्रबंधन के तहत दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक।
- विश्व स्तर पर सबसे बड़ी यात्री रेल प्रणालियों में से एक का संचालन करता है।
- सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम्स (CRIS) यात्री आरक्षण प्रणाली (PRS) सहित प्रमुख रेलवे आईटी सिस्टम का विकास और रखरखाव करता है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- आईआरसीटीसी ने 2002 में अपना ऑनलाइन टिकट बुकिंग पोर्टल लॉन्च किया था।
- पोर्टल वर्तमान में रोजाना औसतन लगभग 14.5 लाख टिकट बुकिंग का प्रबंधन करता है।

- आईआरसीटीसी ऑनलाइन टिकटिंग, खानपान, पर्यटन, आतिथ्य और पैकेज्ड पेयजल (रेल नीर) के लिए जिम्मेदार है।
- बीटा वेबसाइट रेलवे डिजिटल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा है, जिसमें यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) में उन्नयन शामिल है।
- आईआरसीटीसी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) दोनों पर सूचीबद्ध है, जिसमें भारत सरकार बहुमत शेयरधारक बनी हुई है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संगठन: भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी)।
- प्रशासनिक मंत्रालय: रेल मंत्रालय।

- पहल: नई आईआरसीटीसी बीटा वेबसाइट का शुभारंभ।
- उद्देश्य: ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग को सरल और तेज करना।
- प्रमुख विशेषताएं: क्लीनर इंटरफ़ेस, कम क्लिक, सभी वर्गों में सीट की उपलब्धता, तेज चेकआउट, सहेजे गए यात्री विवरण।
- आईआरसीटीसी की स्थापना: 27 सितंबर 1999।
- ऑनलाइन टिकटिंग शुरू हुई: 2002।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- भारतीय रेलवे का आईटी संगठन: रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस)।
- दैनिक टिकट बुकिंग: लगभग 14.5 लाख।

भारत और पोलैंड ने एमएसएमई क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने का निर्णय लिया



- भारत और पोलैंड ने नई दिल्ली में आयोजित उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है।
- बैठक में आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकी उप मंत्री माइकल बारानोवस्की के नेतृत्व में पोलैंड के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया, जबकि भारतीय पक्ष का नेतृत्व एमएसएमई सचिव भरत खेड़ा ने किया। दोनों देशों ने एमएसएमई को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए डिजिटल परिवर्तन, नवाचार, प्रौद्योगिकी अपनाने, टिकाऊ विनिर्माण, स्टार्टअप इकोसिस्टम और बाजार पहुंच में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

भारत का MSME क्षेत्र:

- भारत में 8.6 करोड़ (86 मिलियन) से अधिक पंजीकृत एमएसएमई हैं।
- यह क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30% का योगदान देता है।
- भारत के निर्यात में एमएसएमई की हिस्सेदारी लगभग 45 प्रतिशत है।
- यह क्षेत्र लगभग 33 करोड़ (330 मिलियन) लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिससे यह देश के सबसे बड़े रोजगार जनरेटर में से एक बन जाता है।

एमएसएमई के लिए प्रमुख सरकारी पहल:

- उद्यम पंजीकरण पोर्टल – एमएसएमई के लिए ऑनलाइन पंजीकरण मंच।
- सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) - संपार्श्विक-मुक्त ऋण सहायता प्रदान करता है।
- जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (ZED) प्रमाणन योजना - न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ गुणवत्ता विनिर्माण को बढ़ावा देती है।
- एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र - कौशल विकास, उत्पाद डिजाइन और प्रौद्योगिकी सहायता को बढ़ाएं।
- MSME प्रदर्शन (RAMP) कार्यक्रम को बढ़ाना और तेज करना - MSME प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए विश्व बैंक द्वारा समर्थित पहल।
- पीएम विश्वकर्मा योजना - क्रेडिट, कौशल और बाजार लिंकेज के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों का समर्थन करती है।

MSME मंत्रालय के बारे में:

- प्रशासनिक मंत्रालय: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय।
- कैबिनेट मंत्री: जीतन राम मांझी।
- मंत्रालय नीतिगत समर्थन, वित्त, प्रौद्योगिकी उन्नयन और उद्यमिता विकास के माध्यम से एमएसएमई के संवर्धन, विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए जिम्मेदार है।

पोलैंड के बारे में:

- राजधानी: वारसॉ।
- मुद्रा: पोलिश ज़्लॉटी (PLN)।
- राजभाषा: पोलिश।
- अध्यक्ष: कारोल नवरोकी

- प्रधान मंत्री: डोनाल्ड टस्का
- सदस्य: यूरोपीय संघ (ईयू), नाटो, ओईसीडी और शेंगेन क्षेत्र।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- एमएसएमई दिवस प्रतिवर्ष 27 जून को मनाया जाता है, जैसा कि 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नामित किया गया था।
- एमएसएमईडी अधिनियम, 2006 भारत में एमएसएमई के प्रचार और विकास के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
- संशोधित एमएसएमई वर्गीकरण (1 जुलाई 2020 से प्रभावी) संयंत्र और मशीनरी/उपकरण में निवेश और वार्षिक कारोबार पर आधारित है।
- विनिर्माण, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण, खनन और शिक्षा में बढ़ते सहयोग के साथ पोलैंड मध्य और पूर्वी यूरोप में भारत के सबसे महत्वपूर्ण भागीदारों में से एक है।
- भारत और पोलैंड द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को मजबूत करने के लिए आर्थिक सहयोग पर संयुक्त आयोग (जेसीईसी) के माध्यम से नियमित जुड़ाव बनाए रखते हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: भारत और पोलैंड।

हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जाएगी



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा में जींद और सोनीपत के बीच भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे, जो हरित और टिकाऊ रेल परिवहन की दिशा में भारत के संक्रमण में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

मुख्य विचार:

- परियोजना: भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन।
- रूट: जींद-सोनीपत (हरियाणा)।
- रेलवे क्षेत्र: उत्तर रेलवे।
- लॉन्च: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाई जाएगी।
- प्रौद्योगिकी: हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रौद्योगिकी।

- क्षेत्र: एमएसएमई।
- स्थान: नई दिल्ली।
- भारतीय प्रतिनिधि: Bharat Khera
- पोलिश प्रतिनिधि: माइकल बारानोव्स्की।
- प्रमुख क्षेत्र: डिजिटल परिवर्तन, नवाचार, टिकाऊ विनिर्माण, प्रौद्योगिकी अपनाना, बाजार पहुंच।
- भारत में पंजीकृत एमएसएमई: 8.6 करोड़ से अधिक।
- सकल घरेलू उत्पाद में योगदान: लगभग 30%।
- रोजगार: लगभग 33 करोड़ लोग।
- प्रमुख योजनाएं: उद्यम पंजीकरण, सीजीटीएमएसई, जेडईडी प्रमाणन, आरएमपी कार्यक्रम, पीएम विश्वकर्मा।
- एमएसएमई दिवस: 27 जून।
- एमएसएमईडी अधिनियम: 2006।
- पोलैंड की राजधानी: वारसॉ।
- मुद्रा: पोलिश ज़्लॉटी (PLN)।

- उद्देश्य: शून्य-उत्सर्जन, पर्यावरण के अनुकूल रेल परिवहन को बढ़ावा देना।

उद्देश्य:

- स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देना।
- डीजल से चलने वाली ट्रेनों पर निर्भरता कम करें।
- रेलवे क्षेत्र से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी।
- भारत के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का समर्थन करना।
- भारतीय रेलवे में शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना।

हाइड्रोजन ईंधन सेल ट्रेनों के बारे में:

- हाइड्रोजन ईंधन-सेल ट्रेनें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच एक विद्युत रासायनिक प्रतिक्रिया के माध्यम से बिजली उत्पन्न करती हैं।
- डीजल इंजनों के विपरीत, वे केवल जल वाष्प का उत्सर्जन करते हैं और न्यूनतम शोर उत्पन्न करते हैं।
- बिजली बिजली का उत्पादन इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन मोटर्स को शक्ति प्रदान करती है, जिससे हाइड्रोजन ट्रेनें रेल परिवहन के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बन जाती हैं।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के बारे में:

- लॉन्च किया गया: जनवरी 2023।
- नोडल मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)।
- मिशन परिश्रम: ₹19,744 करोड़
- उद्देश्य: भारत को हरित हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाना।
- लक्ष्य: 2030 तक सालाना कम से कम 5 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन, जिसमें आगे बढ़ने की क्षमता है।
- मिशन परिवहन, उद्योग, बिजली और उर्वरक जैसे क्षेत्रों में डीकार्बोनाइजेशन का समर्थन करता है।

- हाइड्रोजन को एक स्वच्छ ईंधन माना जाता है क्योंकि इसके दहन या ईंधन-सेल प्रतिक्रिया से कोई कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) का उत्सर्जन नहीं होता है।
- राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन आयात को कम करना, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करना और भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करना है।
- भारतीय रेलवे का लक्ष्य 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने वाला दुनिया का पहला प्रमुख रेलवे नेटवर्क बनना है।
- हाइड्रोजन ईंधन कोशिकाओं में रेलवे से परे अनुप्रयोग हैं, जिनमें बसें, ट्रक, जहाज, बिजली उत्पादन और औद्योगिक प्रक्रियाएं शामिल हैं।

भारतीय रेलवे भी इस तरह की पहलों का विस्तार कर रहा है:

- ब्रॉड गेज मार्गों का 100% विद्युतीकरण।
- सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं।
- कवच (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम)।
- वंदे भारत ट्रेनों।
- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर।

वैश्विक संदर्भ:

- जर्मनी 2018 में व्यावसायिक रूप से संचालित हाइड्रोजन संचालित यात्री ट्रेनों को शुरू करने वाला पहला देश बन गया, जिसमें एल्सटॉम की कोराडिया आईलेंट ट्रेनों का उपयोग किया गया।
- हाइड्रोजन ट्रेनों को डीजल ट्रेनों के लिए एक स्थायी विकल्प के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से गैर-विद्युतीकृत रेलवे मार्गों पर।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

परियोजना: भारत की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन।
रूट: जींद - सोनीपत।
राज्य: हरियाणा।
रेलवे क्षेत्र: उत्तर रेलवे।
प्रौद्योगिकी: हाइड्रोजन ईंधन सेल।
ईंधन उप-उत्पाद: जल वाष्प और गर्मी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
संबंधित मिशन: राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन।
मिशन लॉन्च: जनवरी 2023।
नोडल मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)।
मिशन परिश्रम: ₹19,744 करोड़
ग्रीन हाइड्रोजन लक्ष्य: 2030 तक सालाना 5 एमएमटी।
भारतीय रेलवे का लक्ष्य: 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन।
वाणिज्यिक हाइड्रोजन ट्रेनों को संचालित करने वाला पहला देश: जर्मनी (2018)।

भारतीय फार्माकोपिया आयोग ने उत्तर प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए फार्मा गुणवत्ता और नवाचार को मजबूत करने के लिए फार्मा परिषद को बढ़ावा दें

- भारतीय फार्माकोपिया आयोग (IPC) ने फार्मास्युटिकल और चिकित्सा उपकरण क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों, नियामक अनुपालन, नवाचार और क्षमता निर्माण को मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रमोशन फार्मा काउंसिल (UPPPC) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस समझौता ज्ञापन पर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपोजे मार्ट में आयोजित वाईआईडीए मेडटेक इन्वेस्टर्स मीट एंड साइट विजिट 2026 के दौरान हस्ताक्षर किए गए।

- साझेदारी का उद्देश्य रोगी सुरक्षा को बढ़ाना, एमएसएमई का समर्थन करना, डिजिटल रिपोर्टिंग सिस्टम को बढ़ावा देना और उत्तर प्रदेश को एक अग्रणी फार्मास्युटिकल और चिकित्सा उपकरण निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है।

भारतीय फार्माकोपिया आयोग (IPC) के बारे में:

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के तहत एक स्वायत्त संस्थान।
स्थापित: 1956।
मुख्यालय: गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
अध्यक्ष: पी.के. प्रधान, सचिव
भारतीय फार्माकोपिया (आईपी) के प्रकाशन के लिए जिम्मेदार, जो भारत में निर्मित, विपणन और उपभोग की जाने वाली दवाओं के लिए आधिकारिक गुणवत्ता मानकों को निर्धारित करता है।
भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम (PvPI) के लिए राष्ट्रीय समन्वय केंद्र (NCC) के रूप में कार्य करता है।



उत्तर प्रदेश प्रमोशन फार्मा काउंसिल (UPPPC) के बारे में:

उत्तर प्रदेश में फार्मास्यूटिकल और चिकित्सा उपकरण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक राज्य स्तरीय संगठन।
निवेश आकर्षित करने, औद्योगिक विकास को सुविधाजनक बनाने, गुणवत्ता मानकों में सुधार करने और राज्य के फार्मास्यूटिकल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए काम करता है।

फार्माकोविजिलेंस और मेटेरियोविजिलेंस के बारे में:

फार्माकोविजिलेंस: प्रतिकूल प्रभावों या अन्य दवा संबंधी समस्याओं का पता लगाने, आकलन करने, समझने और रोकने का विज्ञान।
Materiovigilance: रोगी सुरक्षा और ड्रग्स के प्रदर्शन में सुधार के लिए चिकित्सा उपकरणों से जुड़ी प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी और रिपोर्टिंग।

YEIDA के बारे में:

फुल फॉर्म: यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी।
उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 के तहत स्थापित।

यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के साथ नियोजित औद्योगिक, शहरी और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए जिम्मेदार, जिसमें ग्रेटर नोएडा में मेडिकल ड्रग्स पार्क और इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर शामिल हैं।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

इंडियन फार्माकोपिया (आईपी) भारत में दवा मानकों की आधिकारिक पुस्तक के रूप में कार्य करता है और दवाओं की पहचान, शुद्धता, ताकत और गुणवत्ता को निर्दिष्ट करता है।
औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 भारत में दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों के आयात, निर्माण, वितरण और बिक्री को नियंत्रित करते हैं।
केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) भारत का राष्ट्रीय औषधि नियामक प्राधिकरण है जिसका नेतृत्व ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) करता है।
भारत का फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम (पीवीपीआई) 2010 में प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की निगरानी करने और दवा सुरक्षा में सुधार के लिए शुरू किया गया था।
उत्तर प्रदेश वाईईआईडीए में मेडिकल ड्रग्स पार्क जैसी परियोजनाओं के साथ एक प्रमुख फार्मास्यूटिकल और मेडिकल ड्रग्स मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहा है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) और उत्तर प्रदेश प्रमोशन फार्मा काउंसिल (यूपीपीपीसी) के बीच समझौता ज्ञापन।
स्थान: ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश।
कार्यक्रम: यीडा मेडटेक इन्वेस्टर्स मीट और साइट विजिट 2026
उद्देश्य: फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में गुणवत्ता मानकों, नवाचार और नियामक उत्कृष्टता को मजबूत करना।
आईपीसी मुख्यालय: गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
आईपीसी प्रशासनिक मंत्रालय: स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय।
आधिकारिक दवा मानक: भारतीय फार्माकोपिया (आईपी)।
राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस केंद्र: भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी)।
औषधि नियामक प्राधिकरण: केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ)।
प्रमुख अधिनियम: औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940; ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स नियम, 1945



- भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित एशियाई अंडर-19 और अंडर-23 मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक, 10 रजत पदक और चार कांस्य पदक जीते।
- चंद्रिका पुजारी (अंडर-19, 51 किग्रा), प्राची (अंडर-19, 57 किग्रा) और निशा (अंडर-23, 54 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। यह प्रभावशाली प्रदर्शन महाद्वीपीय स्तर पर महिला मुक्केबाजी में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

भारत की पदक तालिका (महिला स्पर्धाएं):

- सोना: 3
- चांदी: 10
- कांस्य: 4

स्वर्ण पदक विजेता:

- चंद्रिका पुजारी – अंडर-19, 51 किग्रा
- प्राची – अंडर-19, 57 किग्रा
- निशा – अंडर-23, 54 किग्रा

अन्य भारतीय पदक विजेता:

रजत पदक विजेता:

अंडर-19:

- गुंजन – 45-48 किग्रा
- जॉयश्री – 54 किग्रा
- चाहत – 60 किग्रा
- अंशिका – 75 किग्रा
- मेधा श्योकंद – 80 किग्रा
- प्राची टोकस – +81 किग्रा

अंडर-23:

- नीतिका चंद – 60 किग्रा
- काजल – 65 किग्रा
- मुस्कान – 75 किलो
- प्रियंका – +80 किग्रा

कांस्य पदक विजेता (अंडर-23):

- तनु – 51 किग्रा
- प्राची – 57 किग्रा
- शिवानी – 70 किग्रा
- नैना – 80 किग्रा

विश्व मुक्केबाजी के बारे में:

- विश्व मुक्केबाजी ओलंपिक शैली के मुक्केबाजी के लिए अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय है, जिसे अंतराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- इसका उद्देश्य पारदर्शी शासन सुनिश्चित करना और मुक्केबाजी को ओलंपिक खेल के रूप में बनाए रखना है।

राष्ट्रपति: गेन्नेडी गोलोवकिन

- गठन: 13 अप्रैल 2023
- मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (BFI) के बारे में:

- स्थापित: 2016।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- अध्यक्ष: अजय सिंह
- सचिव: प्रमोद कुमार

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- मुक्केबाजी 1904 से ओलंपिक खेलों का हिस्सा रही है (1912 स्टॉकहोम ओलंपिक को छोड़कर)।
- महिला मुक्केबाजी को लंदन ओलंपिक 2012 में पेश किया गया था।
- मुकाबलों को 10-पॉइंट मस्ट स्कोरिंग सिस्टम के तहत विभिन्न भार वर्गों में लड़ा जाता है।
- भारत ने मैरी कॉम, निकहत जरीन, लवलीना बोरगोहेन और नीतू घंघास सहित कई विश्व स्तरीय महिला मुक्केबाजों का उत्पादन किया है।

- भारत लगातार जूनियर, युवा और वरिष्ठ स्तर पर महिला मुक्केबाजी में एशिया के अग्रणी देशों में से एक के रूप में उभरा है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- आयोजन: एशियाई अंडर-19 और अंडर-23 मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026।
- स्थान: जकार्ता, इंडोनेशिया।
- भारत की महिला पदक तालिका : 3 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य।
- स्वर्ण पदक विजेता: चंद्रिका पुजारी (51 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), निशा (54 किग्रा)।

- खेल: मुक्केबाजी।
- आयोजन निकाय: एशियाई मुक्केबाजी।
- नेशनल फेडरेशन: बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई)।
- बीएफआई मुख्यालय: नई दिल्ली।
- ओलंपिक में महिला मुक्केबाजी की शुरुआत: लंदन 2012।
- अंतर्राष्ट्रीय शासी निकाय: विश्व मुक्केबाजी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹62,500 करोड़ की मोबाइल फोन निर्माण योजना (MPMS) को मंजूरी दी



- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 62,500 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ मोबाइल फोन विनिर्माण योजना (एमपीएमएस) को मंजूरी दे दी है।
- यह योजना पांच साल (वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31) के लिए लागू की जाएगी ताकि उत्पादन बढ़ाने, घरेलू मूल्यवर्धन को गहरा करने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने, निर्यात को बढ़ावा देने और भारतीय मोबाइल फोन ब्रांडों को बढ़ावा देकर वैश्विक मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया जा सके।

योजना की मुख्य विशेषताएं:

- भारत में विनिर्मित मोबाइल फोनों की पात्र बिक्री पर प्रदर्शन-लिंकड प्रोत्साहन प्रदान करता है।
- प्रोत्साहन दर: पात्र बिक्री पर 2.25% से 5%।
- प्रमुख घटकों और उप-असेंबली की अधिक घरेलू सोर्सिंग के लिए 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन।
- डिजाइन और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को शुरू करने वाले भारतीय ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त 3 प्रतिशत प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।
- भारत को असेंबली के नेतृत्व वाले विनिर्माण से डिजाइन-आधारित विनिर्माण की ओर ले जाने पर ध्यान केंद्रित किया गया

अपेक्षित परिणाम:

- भारत के मोबाइल फोन उत्पादन और निर्यात को बढ़ाना।
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में घरेलू मूल्यवर्धन बढ़ाना।
- वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति को मजबूत करना।
- स्वदेशी प्रौद्योगिकियों और पेटेंट के विकास को प्रोत्साहित करना।
- इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना।

मोबाइल फोन निर्माण योजना (MPMS) के बारे में:

- MPMS बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (PLI-LSEM) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना का स्थान लेता है, जो 31 मार्च 2026 को समाप्त हुई।
- इसका उद्देश्य विनिर्माण, घटक उत्पादन और उत्पाद डिजाइन में निवेश को प्रोत्साहित करके विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकोसिस्टम का निर्माण करना है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के बारे में:

- स्थापित: 2016 (एक अलग मंत्रालय के रूप में)।
- कैबिनेट मंत्री: अश्विनी वैष्णव

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बनकर उभरा है।
- मोबाइल फोन भारत के शीर्ष निर्यात वस्तुओं में से एक बन गया है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से विकास को दर्शाता है।

एमपीएमएस प्रमुख पहलों का पूरक है जैसे:

- मेक इन इंडिया

● डिजिटल इंडिया
● आत्मनिर्भर भारत
● भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 2.0

- भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) को भारत में एक पूर्ण सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम विकसित करने के लिए 2021 में लॉन्च किया गया था।
- उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण 24 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है।
- भारत का लक्ष्य घटक निर्माण, सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजाइन क्षमताओं का विस्तार करके इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र बनना है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

● योजना: मोबाइल फोन विनिर्माण योजना (एमपीएमएस)।
● द्वारा स्वीकृत: केंद्रीय मंत्रिमंडल।

दिल्ली ने 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 के लिए 'मयूर' शुभंकर का अनावरण किया



- दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने त्यागराज स्टेडियम, न्यू दिल्ली में आयोजित होने वाली 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 के आधिकारिक शुभंकर "मयूर" का अनावरण किया।
- भारत के राष्ट्रीय पक्षी, मोर (मयूर) से प्रेरित, शुभंकर आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प, खेल भावना, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। टन
- एचई चैंपियनशिप में 25 से अधिक राष्ट्रमंडल देशों के एथलीट और अधिकारी भाग लेंगे, जो दिल्ली को एक उभरते हुए अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करेंगे।

टेबल टेनिस के बारे में:

● अंतर्राष्ट्रीय शासी निकाय: अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ)।
● ITTF: अध्यक्ष: पेट्रा सोल्लिंग
● आईटीटीएफ: स्थापित: 1926।
● आईटीटीएफ मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड।

● बजटीय परिव्यय: ₹62,500 करोड़
● अवधि: वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक।
● नोडल मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई)।
● प्रोत्साहन दर: पात्र बिक्री पर 2.25%-5%।
● अतिरिक्त प्रोत्साहन: घरेलू सोर्सिंग के लिए 1.5% तक; डिजाइन और अनुसंधान एवं विकास करने वाले भारतीय ब्रांडों के लिए 3 प्रतिशत।
● पिछली योजना: बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना।
● उद्देश्य: उत्पादन, निर्यात, घरेलू मूल्यवर्धन और भारतीय ब्रांडों को बढ़ावा देना।
● संबंधित पहल: भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 2.0।
● भारत की वैश्विक स्थिति: दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता।

- 1988 के सियोल ओलंपिक में टेबल टेनिस एक ओलंपिक खेल बन गया।
- प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल हैं:

● ओलंपिक खेल
● विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप
● राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप
● एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप

मोर (मयूर) के बारे में:

● सामान्य नाम: भारतीय मोर (भारतीय मोर का नर)।
● वैज्ञानिक नाम: पावो क्रिस्टेटस।
● भारत का राष्ट्रीय पक्षी: 1963 में घोषित।

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत संरक्षित (अब वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत कवर किया गया है, जैसा कि वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2022 द्वारा संशोधित किया गया है)।
- मोर भारत में अनुग्रह, सुंदरता, गौरव और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

राष्ट्रमंडल के बारे में:

- राष्ट्रमंडल राष्ट्रों का एक स्वैच्छिक संघ है 56 स्वतंत्र देश, लोकतंत्र, विकास, शिक्षा, खेल और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग को बढ़ावा देता है।
- मुख्यालय: मार्लबोरो हाउस, लंदन, यूनाइटेड किंगडम।
- महासचिव: शर्ली अयोरकोर बोचोवे।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- त्यागराज स्टेडियम भारत के प्रमुख इनडोर खेल स्थलों में से एक है और इसे 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए विकसित किया गया था।
- दिल्ली ने 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की, जो इस आयोजन की मेजबानी करने वाला पहला भारतीय शहर बन गया।
- अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की स्थापना 1926 में हुई थी और यह विश्व स्तर पर खेल को नियंत्रित करता है।
- भारत ने कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध टेबल टेनिस खिलाड़ी तैयार किए हैं, जिनमें अचंता शर्मा कमल, मनिका बत्रा, जी. साधियान और श्रीजा अकुला शामिल हैं।
- भारतीय मोर (पावो क्रिस्टेटस) भारतीय उपमहाद्वीप के लिए स्थानिक है और इसे IUCN रेड लिस्ट द्वारा कम से कम चिंता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

• आयोजन: 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026।
• आधिकारिक शुभंकर: मयूरा।
• द्वारा प्रेरित: भारतीय मोर (भारत का राष्ट्रीय पक्षी)।
• मेजबान शहर: नई दिल्ली।
• स्थान: त्यागराज स्टेडियम।
• तिथियाँ: 27 जुलाई - 2 अगस्त 2026।
• द्वारा अनावरण: रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री।
• भाग लेने वाले देश: 25 से अधिक राष्ट्रमंडल देश।
• अंतर्राष्ट्रीय शासी निकाय (टेबल टेनिस): अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ)।
• आईटीटीएफ मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड।
• भारत का राष्ट्रीय पक्षी: भारतीय मोर (पावो क्रिस्टेटस)।
• राष्ट्रमंडल सदस्य: 56 देश।

परीक्षा फोकस बिंदु:

उत्तर प्रदेश में भारत में सबसे ज्यादा साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज की गईं



- गृह मंत्रालय (एमएचए) के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) द्वारा प्रबंधित राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में भारत में साइबर धोखाधड़ी की सबसे अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं।
- यह वृद्धि देश भर में ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, फ्रिशिंग, निवेश घोटाले, डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले, नकली नौकरी की पेशकश, यूपीआई धोखाधड़ी और प्रतिरूपण से संबंधित साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि को दर्शाती है।
- डेटा मजबूत साइबर जागरूकता, त्वरित रिपोर्टिंग और बेहतर साइबर पुलिसिंग की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

साइबर धोखाधड़ी के सामान्य प्रकार:

• यूपीआई और डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी।
• फ्रिशिंग और नकली बैंकिंग कॉल।
• डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले।
• निवेश और क्रिप्टोक्यूरेंसी घोटाले।
• ऑनलाइन नौकरी और अंशकालिक काम घोटाले।
• ओटीपी और सिम स्वैप धोखाधड़ी।
• पहचान की चोरी और सोशल मीडिया प्रतिरूपण।
• ऑनलाइन शॉपिंग और क्यूआर कोड घोटाले।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के बारे में:

• फुल फॉर्म: इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C)।
• शुरू किया गया: 2018।
• प्रशासनिक मंत्रालय: गृह मंत्रालय (एमएचए)।
• मुख्यालय: नई दिल्ली।

- यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों, खुफिया संगठनों, बैंकों और अन्य हितधारकों के बीच समन्वय के माध्यम से साइबर अपराध से निपटने के लिए राष्ट्रीय ढांचे के रूप में कार्य करता है।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) के बारे में:

- भारत में साइबर अपराधों की रिपोर्ट के लिए आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल।
- वेबसाइट: <https://cybercrime.gov.in>.
- इन पर विशेष ध्यान:
- वित्तीय साइबर धोखाधड़ी।
- महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध।
- ऑनलाइन धोखाधड़ी और पहचान की चोरी।

- पोर्टल को वित्तीय साइबर धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग के लिए 1930 राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन के साथ एकीकृत किया गया है।

1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में:

- हेल्पलाइन नंबर: 1930
- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) द्वारा संचालित।
- ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में तत्काल सहायता प्रदान करता है और बैंकों और वित्तीय संस्थानों को फंड-फ्रीजिंग अनुरोध शुरू करने में मदद करता है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे खोए हुए धन को पुनर्प्राप्त करने की संभावना को अधिकतम करने के लिए जल्द से जल्द धोखाधड़ी की रिपोर्ट करें।

साइबर अपराध से निपटने के लिए सरकार की पहल:

- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)।
- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी)।
- साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930।
- राष्ट्रीय साइबर फॉरेंसिक प्रयोगशाला (एनसीएफएल)।
- नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली (CFCFRMS)।
- साइबर स्वच्छता केंद्र (बॉटनेट क्लीनिंग एंड मैलवेयर एनालिसिस सेंटर)।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 भारत में साइबर अपराधों और इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य को नियंत्रित करने वाला प्राथमिक कानून है।
- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) साइबर अपराध की रोकथाम, जांच और अभियोजन को मजबूत करने के लिए गृह मंत्रालय के तहत कार्य करता है।
- सीईआरटी-इन (इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत कार्य करता है और साइबर सुरक्षा घटनाओं का जवाब देने के लिए भारत की राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- नागरिकों को धोखाधड़ी वाले लेनदेन को रोकने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से वित्तीय साइबर धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट करनी चाहिए।
- सरकार ने डिजिटल वित्तीय धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए संदिग्ध रजिस्ट्री भी शुरू की है और बैंकों, दूरसंचार ऑपरेटरों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत किया है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- सबसे अधिक साइबर धोखाधड़ी की शिकायतों वाला राज्य: उत्तर प्रदेश।
- रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म: राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी)।
- नोडल एजेंसी: भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)।
- प्रशासनिक मंत्रालय: गृह मंत्रालय (एमएचए)।
- राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन: 1930।
- आधिकारिक पोर्टल: cybercrime.gov.in.
- प्राथमिक साइबर कानून: सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
- राष्ट्रीय साइबर आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसी: सीईआरटी-इन।
- सीईआरटी-इन मंत्रालय: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई)।
- मुख्य उद्देश्य: साइबर अपराधों को रोकना, पता लगाना, जांच करना और उनका जवाब देना।

भारत ने नई चुनौतियों से निपटने के लिए सिंधु जल संधि पर फिर से बातचीत करने पर जोर दिया

- भारत ने जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय विकास, बढ़ती पानी की आवश्यकताओं, स्वच्छ ऊर्जा की जरूरतों और बढ़ती सुरक्षा चिंताओं सहित परिस्थितियों में मूलभूत परिवर्तनों का हवाला देते हुए सिंधु जल संधि (IWT), 1960 पर फिर से बातचीत करने की आवश्यकता को दोहराया है।

- भारत ने तर्क दिया है कि छह दशक पहले हुई संधि वर्तमान वास्तविकताओं को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करती है और सिंधु नदी प्रणाली के समान और सतत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए इसके प्रावधानों की समीक्षा और संशोधन की मांग की है।

- 2025 के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा संधि को स्थगित रखने के बाद इस मुद्दे पर नए सिरे से ध्यान गया है और फिर से बातचीत के लिए दबाव बना रहा है।



भारत फिर से बातचीत क्यों चाहता है:

- जलवायु परिवर्तन ने वर्षा के पैटर्न और नदी के प्रवाह को बदल दिया है।
- बढ़ती आबादी ने पेयजल, सिंचाई और पनबिजली की मांग में वृद्धि की है।
- बेहतर जल भंडारण और बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता।
- पनबिजली के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को अधिकतम करने की आवश्यकता।
- सीमा पार आतंकवाद के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताएं।
- 1960 में बहुत अलग परिस्थितियों में हुई संधि को आधुनिक बनाने की आवश्यकता है।

सिंधु जल संधि (IWT) के बारे में:

- 19 सितंबर 1960 को कराची में हस्ताक्षरित किया गया।

द्वारा हस्ताक्षरित:

- जवाहरलाल नेहरू (भारत के प्रधानमंत्री)।
- फील्ड मार्शल अयूब खान (पाकिस्तान के राष्ट्रपति)।
- लगभग नौ साल की बातचीत के बाद विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता।
- यह संधि सिंधु बेसिन की छह नदियों को दो समूहों में आवंटित करती है:

पूर्वी नदियाँ (भारत को आवंटित):

- | |
|---------|
| • रवि |
| • ब्यास |
| • सतलुज |

पश्चिमी नदियाँ (मुख्य रूप से पाकिस्तान को आवंटित):

- | |
|---------|
| • सिंधु |
| • झेलम |

• चिनाब

भारत को पश्चिमी नदियों पर सीमित उपयोग की अनुमति है, जिनमें शामिल हैं:

- रन-ऑफ-द-रिवर पनबिजली परियोजनाएं।
- घरेलू उपयोग।
- गैर-उपभोग्य उपयोग।
- सीमित सिंचाई, संधि की शर्तों के अधीन।

संस्थागत तंत्र:

स्थायी सिंधु आयोग (PIC):

- संधि के तहत स्थापित।
- इसमें भारत और पाकिस्तान से एक-एक आयुक्त शामिल हैं।
- डेटा साझा करने, निरीक्षण और तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए जिम्मेदार।

यदि विवाद अनसुलझे रहते हैं:

- तटस्थ विशेषज्ञ तकनीकी अंतरों की जांच करता है।
- कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) निर्दिष्ट संधि प्रावधानों के तहत कानूनी विवादों से निपटता है।

महत्व:

- दुनिया के सबसे लंबे समय तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय नदी जल-साझाकरण समझौतों में से एक।
- भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धों और लंबे समय तक राजनयिक तनाव से बच गए हैं।
- यह सीमा पार नदी शासन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।
- इसके भविष्य का क्षेत्रीय जल सुरक्षा, कृषि, जल विद्युत और द्विपक्षीय संबंधों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है।

सिंधु नदी प्रणाली के बारे में:

- सिंधु नदी का उद्गम: तिब्बत में मानसरोवर झील के पास।
- अरब सागर में गिरने से पहले भारत और पाकिस्तान से होकर बहती है।

प्रमुख सहायक नदियाँ:

- | |
|---------|
| • सिंधु |
| • झेलम |
| • चिनाब |

● रवि
● ब्यास
● सतलुज

- भारत ने लगातार कहा है कि बदलती जलवायु, जल विज्ञान, विकासात्मक और सुरक्षा स्थितियों के लिए संधि ढांचे की समीक्षा की आवश्यकता है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

विश्व बैंक की भूमिका के बारे में:

- विश्व बैंक ने संधि की ओर ले जाने वाली बातचीत की सुविधा प्रदान की और सीमित सुविधा क्षमता में समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला है।
- यह प्रक्रियात्मक पहलुओं में सहायता कर सकता है जैसे कि एक तटस्थ विशेषज्ञ या मध्यस्थता न्यायालय के सदस्यों की नियुक्ति लेकिन संधि को लागू करने के लिए जिम्मेदार नहीं है।

अतिरिक्त महत्वपूर्ण तथ्य:

- सिंधु बेसिन एशिया के सबसे बड़े नदी घाटियों में से एक है और भारत और पाकिस्तान में लाखों लोगों का समर्थन करता है।
- संधि के तहत, भारत को पूर्वी नदियों पर विशेष अधिकार प्राप्त हुए, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों पर अधिकार प्राप्त हुए, जो निर्दिष्ट भारतीय उपयोगों के अधीन थे।
- संधि में 12 अनुच्छेद और 8 अनुलग्नक (ए-एच) शामिल हैं।
- स्थायी सिंधु आयोग को हाइड्रोलॉजिकल डेटा का आदान-प्रदान करने और संधि कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए नियमित रूप से बैठक करने की आवश्यकता होती है।

● संधि: सिंधु जल संधि (IWT)।
● हस्ताक्षरित: 19 सितंबर 1960।
● पर हस्ताक्षरित: कराची।
● पार्टियों: भारत और पाकिस्तान।
● मध्यस्थ: विश्व बैंक।
● पूर्वी नदियाँ: रावी, ब्यास, सतलुजा।
● पश्चिमी नदियाँ: सिंधु, झेलम, चिनाब।
● संस्थान: स्थायी सिंधु आयोग (पीआईसी)।
● विवाद समाधान: तटस्थ विशेषज्ञ और मध्यस्थता की अदालत।
● पुनः बातचीत का कारण: जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय विकास, विकास की आवश्यकताएं, जल विद्युत और राष्ट्रीय सुरक्षा।
● सिंधु नदी का उद्गम: तिब्बत में मानसरोवर झील के पास।
● आउटफॉल: अरब सागर।

लेट्स रिवाइज

- ❖ किस शहर ने व्यापार, रक्षा, नवाचार और हरित ऊर्जा में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत-बेल्जियम रणनीतिक वार्ता की मेजबानी की? **ब्रुसेल्स, बेल्जियम।**
- ❖ किस संगठन ने ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग को सरल बनाने और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 2026 में नई बीटा वेबसाइट लॉन्च की? **इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी)।**
- ❖ किस यूरोपीय देश ने जुलाई 2026 में डिजिटल परिवर्तन, नवाचार और टिकाऊ विनिर्माण के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत के साथ सहमति व्यक्त की? **पोलैंड।**

- ❖ 2026 में लॉन्च होने के बाद भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन किस रेलवे मार्ग पर चलेगी? **हरियाणा में जींद-सोनीपत मार्ग।**
- ❖ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत किस स्वायत्त संस्थान ने फार्मास्युटिकल क्षेत्र में गुणवत्ता मानकों और नियामक उत्कृष्टता को मजबूत करने के लिए जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश प्रमोशन फार्मा काउंसिल (UPPPC) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए?
भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी)।
- ❖ जकार्ता में आयोजित 2026 एशियाई अंडर -19 और अंडर -23 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में किन तीन भारतीय महिलाओं ने स्वर्ण पदक जीते? **चंद्रिका पुजारी, प्राची और निशा।**
- ❖ भारत के मोबाइल फोन निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2026 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ₹62,500 करोड़ के बजटीय परिव्यय के साथ किस योजना को मंजूरी दी गई थी? **मोबाइल फोन निर्माण योजना (एमपीएमएस)।**
- ❖ नई दिल्ली में आयोजित होने वाली 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 के लिए अनावरण किए गए आधिकारिक शुभंकर का नाम क्या है? **मयूर।**
- ❖ राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार भारत में साइबर धोखाधड़ी की सबसे अधिक शिकायतें किस राज्य में दर्ज की गई हैं? **उत्तर प्रदेश।**
- ❖ विश्व बैंक की मध्यस्थता के साथ 1960 में हस्ताक्षरित कौन सी अंतर्राष्ट्रीय संधि, भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली के पानी के बंटवारे को नियंत्रित करती है? **सिंधु जल संधि (IWT), 1960**



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA